The Academic
International Journal of Multidisciplinary Research

An Online Peer Reviewed / Refereed Journal
Volume 3 | Issue 7 | July 2025
ISSN: 2583-973X (Online)
Website: www.theacademic.in

डिजिटल समाचार पत्रों का पाठकों पर प्रभावः जिला कुरुक्षेत्र के संदर्भ में एक अध्ययन

गुरदेव, शोधार्थी

जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, (हरियाणा) भारत

डाॅ.आबिद अली

असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र, (हरियाणा) भारत Email : Gurdevgahlavt103@gmail.com

DOI : https://doi.org/10.5281/zenodo.16880103

ARTICLE DETAILS

Research Paper

Accepted: 30-07-2025

Published: 10-08-2025

Keywords:

डिजिटल समाचार पत्र, प्रिंट समाचार पत्र, पाठक, डिजिटल युग, पठनीयता, शहरी-ग्रामीण, फेक न्यूज, विश्वसनीयता

ABSTRACT

21वीं सदी में डिजिटल समाचार ने सूचना के प्रसार और उपभोग के तौर-तरीकों को मौलिक रूप से बदल दिया है। यह शोध पत्र हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में डिजिटल क्रांति के वर्तमान दौर में हरियाणा के पाठकों के बीच समाचार पत्र पढ़ने की आदतों में आ रहे बदलावों का अध्ययन करता है। सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के समाचार उपभोग के पारंपरिक तरीकों को मौलिक रूप से बदल दिया है। डिजिटल समाचार पत्रों, न्यूज पोर्टलों और सोशल मीडिया के आगमन ने पाठकों को तत्काल और विविध सूचना तक पहुँच प्रदान की है, लेकिन साथ ही इसने विश्वसनीयता, सूचना अधिभार और फेक न्यूज जैसी गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं। यह शोध पत्र हरियाणा के एक ऐतिहासिक और शैक्षिक रूप से महत्वपूर्ण जिले, कुरुक्षेत्र के संदर्भ में डिजिटल समाचार पत्रों के पाठकों पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण करता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य पाठकों की बदलती आदतों, सूचना स्रोतों के प्रति उनकी प्राथमिकता, डिजिटल सामग्री की विश्वसनीयता पर उनके विचार और प्रिंट मीडिया की तुलना में डिजिटल मीडिया के लाभ और हानियों को समझना है। यह शोध एक मिश्रित-पद्धति दृष्टिकोण पर आधारित है, जिसमें कुरुक्षेत्र जिले के विभिन्न आयु-वर्गों और सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमियों के 150 पाठकों के बीच एक सर्वेक्षण और गहन साक्षात्कार शामिल हैं।

प्रस्तावना:

डिजिटल युग ने समाचार उपभोग के तरीके को मौलिक रूप से बदल दिया है। पारंपरिक समाचार पत्रों की तुलना में डिजिटल समाचार (वेबसाइट्स, मोबाइल ऐप्स, और सोशल मीडिया) ने सूचना को त्वरित, सुलभ और वैयक्तिकृत बनाया है। सूचना क्रांति ने मानव समाज के हर पहलू को गहराई से प्रभावित किया है, और पत्रकारिता का क्षेत्र इसका अपवाद नहीं है। पिछले दो दशकों में, इंटरनेट और स्मार्टफोन के प्रसार ने समाचारों के उत्पादन, वितरण और उपभोग की प्रक्रिया में एक युगांतकारी परिवर्तन लाया है। पारंपरिक प्रिंट समाचार पत्र, जो सदियों से सूचना और जनमत निर्माण का मुख्य स्रोत रहे हैं, आज डिजिटल समाचार पत्रों और ऑनलाइन न्यूज पोर्टलों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे हैं। यह परिवर्तन केवल माध्यम का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह पाठकों के व्यवहार, उनकी अपेक्षाओं और सूचना के साथ उनके संबंधों को भी पुनर्परिभाषित कर रहा है। डिजिटल समाचार पत्र पाठकों को तत्काल समाचार अपडेट, मल्टीमीडिया सामग्री (वीडियो, ऑडियो, इन्फोग्राफिक्स) और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म प्रदान करते हैं (कुमार, 2021)।

भारत, दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता आधारों में से एक होने के नाते, इस डिजिटल परिवर्तन के केंद्र में है। डिजिटल युग ने ‘‘ग्लोबल विलेज’’ की मार्शल मैक्लुहान द्वारा दी गई अवधारणा को साकार किया है। इंटरनेट और स्मार्टफोन के विस्तार ने संचार क्षेत्र में क्रंाति ला दी है। डिजिटल मीडिया ने समाचार उपभोग के तरीकों को बदला है, जिससे पाठकों की आदतें और प्राथमिकताएं भी प्रभावित हुई हैं। इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया 2023 की रिर्पाेट के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या तेजी तेजी से बढ़ रही है और 2025 तक यह संख्या 90 करोड़ तक पंहुचने की संभावना है। यह वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनो क्षेत्रों में डिजिटल अपनाने की प्रक्रिया को तेज कर रही है। वर्तमान में डिजिटल मीडिया के प्रसार के बावजूद, समाचार पत्रों का प्रभाव समाप्त नही हुआ है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भी डिजिटल मीडिया की पैठ तेजी से बढ़ी है। हरियाणा का कुरुक्षेत्र जिला इस परिवर्तन का एक दिलचस्प अध्ययन प्रस्तुत करता है। एक ओर, यह एक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व का केंद्र है, जहाँ एक बड़ी आबादी पारंपरिक मूल्यों से जुड़ी है दूसरी ओर, यह एक प्रमुख शैक्षिक केंद्र (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, एनआईटी) भी है, जहाँ एक बड़ी युवा और तकनीकी रूप से दक्ष आबादी निवास करती है। इस मिश्रित जनसांख्यिकी के कारण यहाँ प्रिंट और डिजिटल मीडिया के बीच का संघर्ष और सह-अस्तित्व दोनों स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं।

यह शोध पत्र इसी संदर्भ में डिजिटल समाचार पत्रों के उदय से कुरुक्षेत्र के पाठकों पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करने का प्रयास करता है। अध्ययन यह समझने पर केंद्रित है कि पाठक डिजिटल समाचारों का उपभोग कैसे करते हैं, वे किन स्रोतों को प्राथमिकता देते हैं, डिजिटल समाचारों की विश्वसनीयता को कैसे आंकते हैं, और इस नए मीडिया परिदृश्य ने उनकी सूचना-ग्रहण की आदतों को किस प्रकार बदला है।

उद्देश्यः

कुरूक्षेत्र के पाठकों की प्रिंट और डिजिटल समाचार पत्रों के प्रति बदलती आदतों का अध्ययन करना।

शहरी और ग्रामीण पाठकों के बीच डिजिटल समाचार उपभोग की तुलना करना।

डिजिटल समाचार पत्रों की विश्वसनीयता का विश्लेषण करना।

साहित्य समीक्षाः

डाॅ. रूशा मुदगल और डाॅ. पूजा राणा (2023) ने ‘‘इम्पैक्ट आॅफ डिजिटलाइजेशन आॅन पिं्रट न्यूजपेपर्स इंडस्ट्री इन इंडिया’’ विषय पर एमिटी स्कूल आॅफ कम्युनिकेशन के दो सहायक प्रोफेसर का संयुक्त रूप से इंटरनेशनल जर्नल आॅफ साईंस टेक्नोलाॅजी एंड मैनेजमेंट में शोध पत्र प्रकाशित हुआ। इस शोध पत्र का उद्देश्य भारत में प्रिंट और आॅनलाइन समाचार पत्रों के भविष्य का पूर्वानुमान लगाना है। शोध में कोविड-19 महामारी के दौरान हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डाला गया है। शोधकर्ता ने अध्ययन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए दिल्ली, एनसीआर में 15 से 60 वर्ष तक 900 उत्तरदाताओं पर एक सर्वे किया जिसमें भारत में पहले डिजिटल संस्करण की शुरुआत करने वाले प्रिंट समाचार पत्र द हिंदू पर केस स्टडी भी शामिल हैं। यह सर्वेक्षण महानगरीय शहरों में जनसंख्या का समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए किया गया था, सर्वेक्षण में प्रिंट और आॅनलाइन समाचार पत्रों के उपभोग का विश्लेषण किया गया। पाठकों से प्रश्नावली में आॅनलाइन समाचार उपभोग की प्राथमिकता के बारे में पूछा गया तो एकत्रित आंकड़ों के आधार पर यह पाया गया कि समाचार पढ़ने के लिए मोबाइल ऐप सबसे पंसददीदा विकल्प थे। शोध में पाया गया कि 19 प्रतिशत पाठक आॅनलाइन पढ़ना पंसद करते है जबकि 12 प्रतिशत प्रिंट समाचार पत्र पढ़ना और 69 प्रतिशत लोग प्रिंट और आॅनलाइन समाचार पत्र पढ़ते हैं। 15 से 29 आयु वर्ग के पाठक केवल आॅनलाइन समाचार पत्र पढ़ने को प्राथमिकता देते हैं। 30 से 35 प्रतिशत पाठक प्रिंट और आॅनलाइन दोनों समाचार पत्र पढ़ते हैं। 60 प्रतिशत और उससे अधिक आयु वाले पाठकों ने प्रिंट समाचार पत्रों को प्राथमिकता दी। अध्ययन से पता चला कि युवा लोगों ने प्रिंट समाचार पत्रों का उपयोग कम कर दिया है। इस बदलाव के कई कारक हो सकते हैं जैसे इंटरनेट की बढ़ती पंहुच और लोगों की सुविधाजनक और त्वरित समाचारों की चाहत शामिल है। शोध से यह पता चला कि प्रिंट समाचार पत्र जल्द ही अप्रचलित नहीं हो सकते हैं, यह स्पष्ट है कि उद्योग का भविष्य डिजिटल प्लेटफाॅर्म पर निहित है। डिजिटल युग में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए भारत में प्रिंट समाचार पत्र तकनीकी प्रगति को अपना रहे हैं। स्मार्टफोन, टैबलेट और इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रिंट समाचार पत्रों को व्यापक पाठकों तक पंहुचने का मार्ग प्रदान करते हैं।

डाॅ. रूपेश गाॅड, अंजू सैनी, प्रदीप कुमार (2020) ‘न्यूजपेपर रीडिंग हैबिट अमंग स्टूडेंटस आॅफ डिग्री काॅलेज इन हरियाणा- ए स्टडी विषय पर अध्ययन हुआ। इस शोध का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच समाचार पत्र पठन के विभिन्न पहलुओं को समझना, पठन का समय, स्त्रोत, पसंदीदा समाचार पत्र, भाषा को लेकर उनकी समझ का पता लगाना था। शोधकर्ता ने सर्वे करने के लिए संरचित प्रश्नावली के माध्यम से 150 प्रश्नावली वितरित की जिसमें से 118 प्राप्त हुई। आंकड़ों के विश्लेषण के पश्चात शोधकर्ता ने अपने परिणाम में पाया कि 51.7 प्रतिशत पुरूष और 48. 3 प्रतिशत महिला प्रतिभागी थे। 49.2 प्रतिशत छात्रों में प्रिंट समाचार पत्र पठन की आदत थी। 33.9 प्रतिशत छात्र शिक्षा

और 25.4 प्रतिशत खेल खंड को सबसे अधिक पंसद करते हैं। 46.6 प्रतिशत छात्र ई-समाचार पत्र पढ़ते हैं, जो डिजिटल अपनाने का संकेत देता है। जब उनसे समाचार पत्र पढ़ने में आने वाली परेशानी के बारे में पूछा तो 25.4 प्रतिशत ने कहा कि उच्च कीमत, उपलब्धता, समय की कमी को बताया जबकि 23.7 प्रतिशत ने समाचार में देरी को मुख्य समस्या बताया।

डाॅ. कर्मवीर श्योकंद (2020) का ''कंज्यूमर प्रेफरेंस टुरवर्ड आॅनलाइन सोर्स एंड प्रिंट मीडियाः ए स्टडी आॅफ हरियाणा'' विषय पर शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल आॅफ एडवांसड रिसर्च में प्रकाशित हुआ। इस शोधकार्य का मुख्य उद्देश्य पाठकों की समाचार पढ़ने की आदतों को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों का अध्ययन करना था। शोध पत्र इस बात पर केंद्रित है कि हरियाणा में समाचार पढ़ने की पारंपरिक और डिजिटल आदतों में किस तरह परिवर्तन हो रहा है, और डिजिटल मीडिया किस प्रकार पाठकों को आकर्षित कर रहा है। इस शोध कार्य में मात्रात्मक और गुणात्मक शोध पद्धति का प्रयोग किया गया है। सर्वेक्षण के लिए 100 उत्तरदाताओं का चयन करके संरचित प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़ों को एकत्रित किया गया। यह प्रश्नावली प्रिंट मीडिया और आॅनलाइन समाचारों के उपयोग की आदतों, पंसद और प्राथमिकताओं को समझने के लिए तैयार की गई थी। इस शोधकार्य में शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पंहुचा कि भारत जैसे विकासशील देशों में जंहा समाचार पत्र घर-घर पंहुचते हैं और इनका मूल्य भी कम होता है, फिर भी डिजिटल मीडिया का प्रभाव बढ़ रहा है। आॅनलाइन समाचार स्त्रोत तेजी से अपडेट होते हैं और अधिक सुविधाजनक होते हैं। युवा पीढ़ी आॅनलाइन प्लेटफार्म को ज्यादा पंसद कर रही है, जबकि पुरानी पीढ़ी अभी भी प्रिंट मीडिया पर निर्भर है। 59 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे इंटरनेट पर समाचार पढ़ते हैं जबकि 23 प्रतिशत ने कहा कि वे इंटरनेट पर समाचार का उपयोग नहीं करते और 18 प्रतिशत ने कहा कि वह कभी-कभी इसका उपयोग करते हैं।

अध्ययन क्षेत्रः

कुरुक्षेत्र, हरियाणा का एक जिला, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। यह जिला दिल्ली से लगभग160 किलोमीटर उतर में स्थित है। 23 जनवरी 1973 को कुरुक्षेत्र को जिला बनाया गया। कुरुक्षेत्र धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह महाभारत के युद्ध और गीता के उपदेश का स्थल है। यह पर्यटन और शिक्षा (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) के लिए प्रसिद्ध है। कुरुक्षेत्र में धार्मिक और सांस्कृतिक समाचारों की मांग अधिक है, जिसके लिए मुद्रित समाचार पत्र और डिजिटल न्यूज़ पोर्टल्स (जैसे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव से संबंधित समाचार) लोकप्रिय हैं। यह शोध के लिए विविध पाठक वर्ग प्रदान करता है। कुरुक्षेत्र में डिजिटल समाचार का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। शहरी क्षेत्रों में हाई-स्पीड इंटरनेट और स्मार्टफोन की उपलब्धता ने समाचार उपभोग को सुगम बनाया है। एक सर्वेक्षण (शर्मा, 2023) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 82 प्रतिशत पाठक समाचार के लिए न्यूज ऐप्स और सोशल मीडिया (व्हाट्सएप, एक्स, फेसबुक) का उपयोग करते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा 45 प्रतिशत है। ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण पाठक पारंपरिक समाचार समाचार पत्र

निर्भर हैं। कुरुक्षेत्र में डिजिटल समाचार के उपयोग में बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शहरी क्षेत्रों में 85 प्रतिशत पाठकों के पास हाई-स्पीड इंटरनेट और 92 प्रतिशत के पास स्मार्टफोन उपलब्ध हैं। इसके विपरीत, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 30 प्रतिशत पाठकों के पास हाई-स्पीड इंटरनेट और 48 प्रतिशत के पास स्मार्टफोन हैं (गुप्ता, 2021)। इस जिले में शहरी (कुरुक्षेत्र, थानेसर, शाहबाद), अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों का अच्छा मिश्रण है, जो विविध पाठक नमूनों के चयन के लिए एक आदर्श आधार प्रदान करता है।

शोध विधिः

इस अध्ययन में कुरुक्षेत्र जिले के पाठकों पर डिजिटल समाचार पत्रों के प्रभाव का व्यापक विश्लेषण करने के लिए एक मिश्रित-शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। इस पद्धति के माध्यम से मात्रात्मक और गुणात्मक दोनों प्रकार के डेटा का संग्रह और विश्लेषण किया गया ताकि विषय की गहन समझ विकसित की जा सके।

न्यादर्शः

इस शोध के लिए स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके 150 पाठकों का चयन किया गया। नमूने को आयु (18 से 30 वर्ष, 31से 40 वर्ष, 41 से 50 वर्ष, 51 से 60 वर्ष और इससे अधिक, लिंग, व्यवसाय (छात्र, नौकरीपेशा, व्यवसायी, गृहिणी) और निवास स्थान (शहरी, ग्रामीण) के आधार पर विभिन्न स्तरों में विभाजित किया गया ताकि सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके।

संरचित प्रश्नावली मात्रात्मक डेटा एकत्र करने के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की गई। इसमें समाचार पढ़ने की आवृत्ति, पसंदीदा माध्यम, प्रिंट, डिजिटल उपयोग किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म, विश्वसनीयता , डिजिटल समाचारों की सदस्यता, डिजिटल समाचार पत्रों को पढ़ने का समय, डिजिटल माध्यमों पर बिताया जाने वाला समय, फेक न्यूज, कौन सा समाचार पत्र सुविधाजनक है आदि बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल करके पाठकों से पूछा गया।

गहन साक्षात्कारः

गुणात्मक डेटा प्राप्त करने के लिए 30 चयनित (15 शहरी, 15 ग्रामीण) पाठकों के साथ अर्ध-संरचित साक्षात्कार आयोजित किए गए। इन साक्षात्कारों का उद्देश्य पाठकों के अनुभवों, विचारों और भावनाओं को गहराई से समझना था।

आंकड़ों का विश्लेषण-

जनसांख्यिकीय आधार पर पाठकों का विश्लेषण

उम्र	पुरूष	महिला	दोनों	व्यवसाय	पाठक संख्या	शिक्षा	पाठक संख्या	स्थान	पाठक संख्या

18 से 30	18	15	33	विद्यार्थी	20	मिडल	06	शहरी	60
31 से 40	17	14	31	सरकारी नौकरी	21	दसवीं	15	अर्धशहरी	30
41 से 50	13	09	22	प्राइवेट नौकरी	61	बारहवीं	37	ग्रामीण	60
51 से 60	29	23	52	स्वरोजगार	22	बीए	43		
61 से अधिक	07	05	12	गृहणी	07	एमए	29		
कुल	84	66	150	सेवानिवृत	14	एम फिल	04		
		पीएचडी		16					

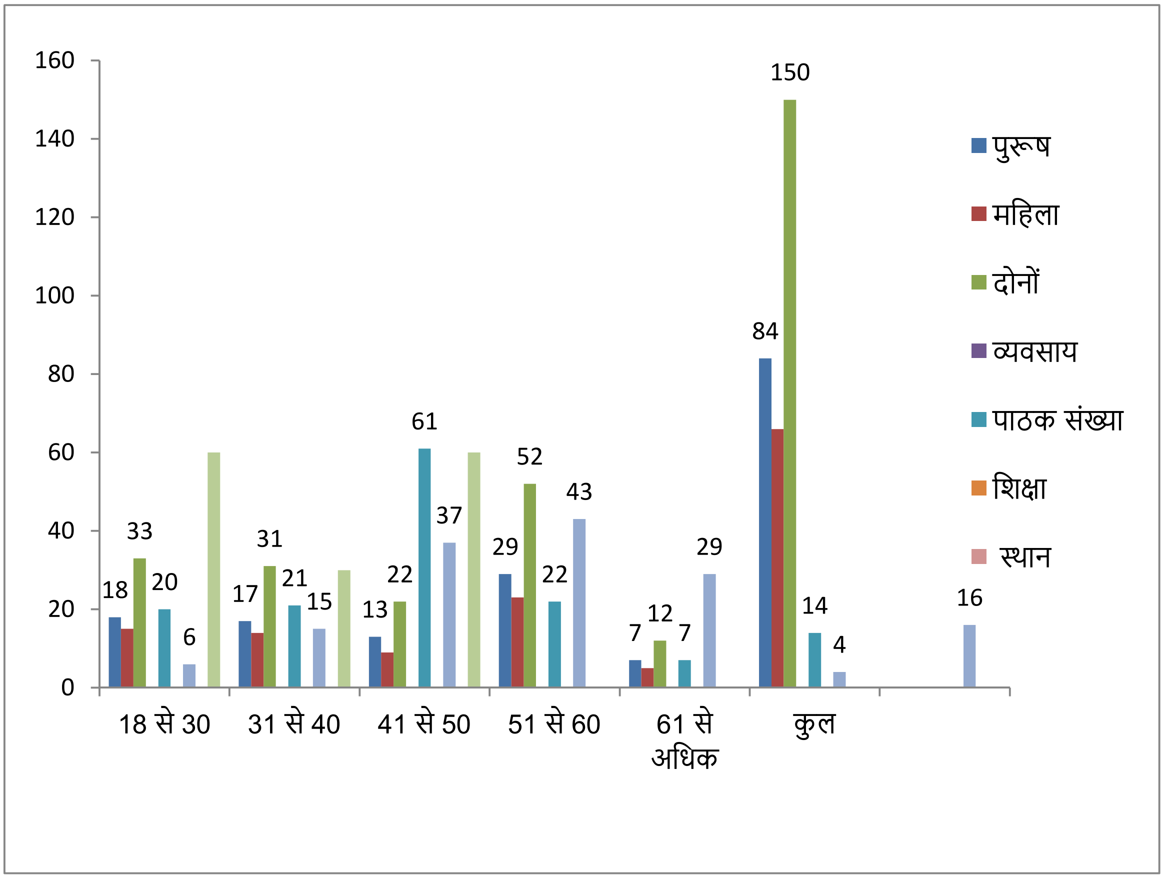

पठनीयता के आधार पर पाठकों का विश्लेषण

पसंददीदा समाचार पत्र	डिजिटल समाचार पत्र	प्रिंट समाचार पत्र	कुल पाठक
पाठकों की संख्या	76	74	150
कौनसी भाषा पसंद है	हिंदी	अंग्रेजी	
पाठकों की संख्या	126	32	150
क्या सब्सक्रिप्शन लिया है	हां	नहीं	
पाठकों की संख्या	45	105	150
डिजिटल समाचार पत्र के कारण पढ़ना कम कर दिया है	हां	नहीं	
पाठकों की संख्या	71	79	150

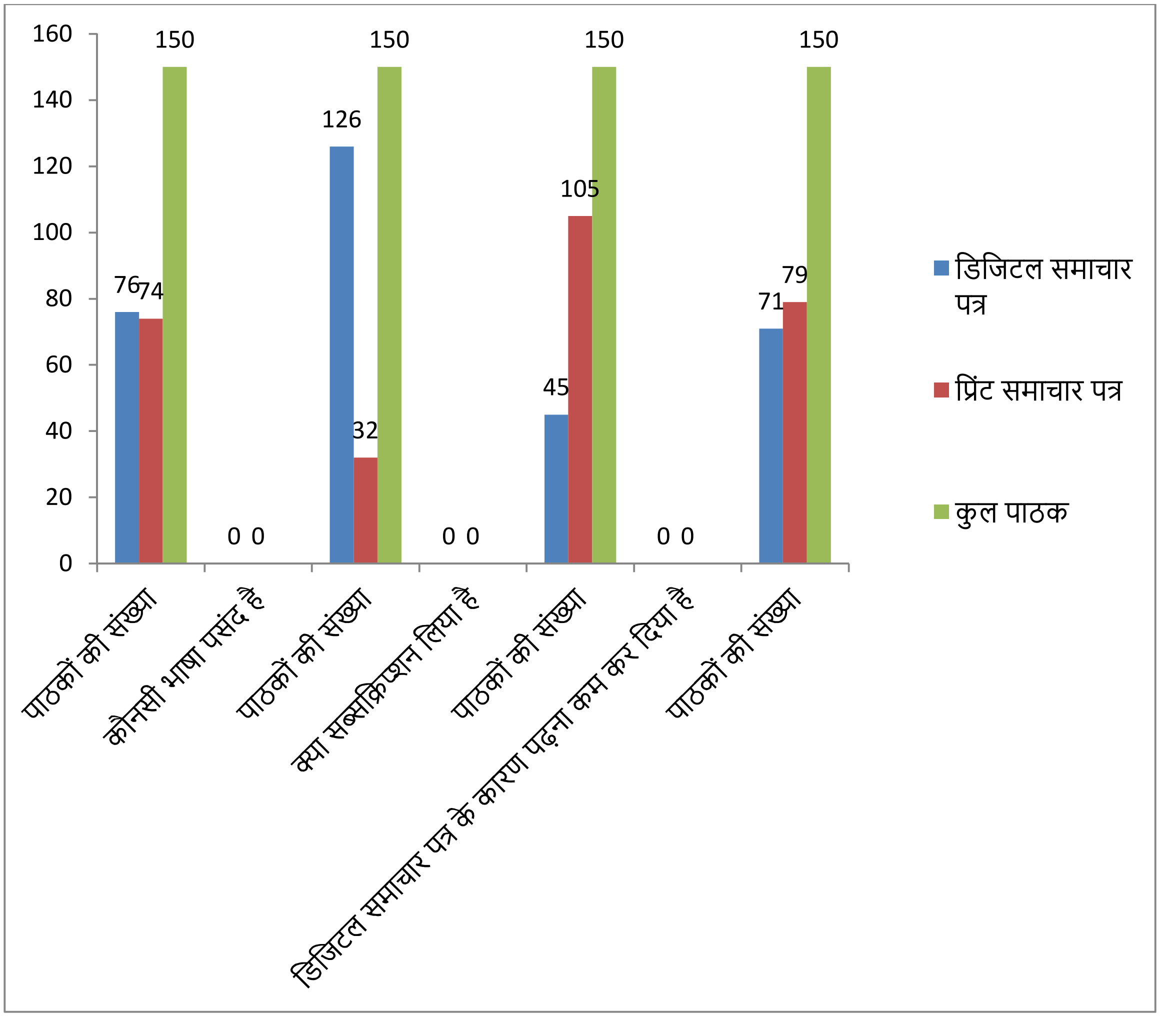

विश्वसनीयता के आधार पर पाठकों का विश्लेषण

क्या आपने डिजिटल समाचार पत्र में फेक न्यूज का सामना किया है?			
हां	**नहीं**	**बहुत बार**	**कभी-कभी**
45	**54**	**22**	**29**
क्या डिजिटल समाचार पत्र के कारण आपकी पढ़ने की आदत बदली है?			
हां	**नहीं**	**सामान्य**	**कुछ हद तक**
56	**40**	**28**	**26**

निष्कर्ष- यह अध्ययन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि जिला कुरुक्षेत्र में डिजिटल समाचार पत्रों ने पाठकों के सूचना उपभोग के परिदृश्य को स्थायी रूप से बदल दिया है। इसकी पहुँच, गति और अन्तरक्रियाशीलता ने विशेषकर युवा पीढ़ी के लिए, एक अत्यंत लोकप्रिय माध्यम बना दिया है। पाठकों की आदतें पारंपरिक यानि प्रिंट समाचार पत्रों के मुकाबले डिजिटल समाचार पत्रों की ओर स्थानांतरित हो गई हैं। लेकिन डिजिटल समाचार पत्रों में जंहा पाठकों को फेक न्यूज और गलत सूचना का प्रसार सबसे बड़ी चुनौती है, वही प्रिंट समाचार पत्र आज भी अपनी विश्वसनीयता के लिए पाठकों के दिलों में गहरे से समाए हैं। पाठकों में विश्वसनीयता का संकट और सूचना अधिभार अन्य प्रमुख मुद्दे हैं। गहन और विश्लेषणात्मक पठन की आदत में कमी भी एक चिंता का विषय है, जो आने वाले समय में पाठकों की गंभीर मुद्दों को समझने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल मीडिया चाहे अपना प्रभाव हर किसी पर जमा रहा हो लेकिन जब गहनता से और विश्वास करने की बात आती है तो प्रिंट समाचार पत्र उम्मीदों पर खरा उतरता है।

संदर्भ सूचीः

- **नारायण सुनेत्रा सेन (2019) इंडिया कनेक्टेड न्यू मीडिया के प्रभावों की समीक्षा, सेज पब्लिकेशन, नई दिल्ली**
- **बाजपेयी कनक (2022) पिं्रट मीडिया:उद्भव, विकास एंव वर्तमान स्वरुप, भाषा प्रकाशन, नई दिल्ली-110002, पृष्ठ, 05**
- **जैन श्री दीपेश (2017) जनसंचार एंव पत्रकारिता,अरिहन्त पब्लिकेशनस (इंडिया) लिमिटेड मेरठ उतरप्रदेश-250002, पृष्ठ नं 173**

- आजम-ए-इरफान (2023) डिजिटल मीडिया (हैंडबुक) किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002, पृष्ठ 15 ,20, 24
- डाॅ. कुमार अशोक (2015) समाचार पत्रों की पठनीयता एंव साज-सज्जा, समस्या एंव समाधान, नई दिल्लीः कनिष्क पब्लिशर्स।
- पंत नवीन (2001) समाचार लेखन एंव संपादन, नई दिल्लीः कनिष्क पब्लिशर्स
- प्रो. जैन रमेश (2011) संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण नई दिल्लीः कनिष्क पब्लिशर्स।
- वनिता कोहली खंाडेकर(2017) भारतीय मीडिया व्यवसाय, सेज(भाषा) प्रकाशन,नई दिल्ली,पृ.1
- डाॅ. गुप्ता यू.सी(2024) इलेक्ट्राॅनिक मीडिया एंव सूचना प्रौद्योगिकी, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली-110002,पृ.231
- कुमार विनोद (2018) डिजिटल युग में पत्रकारिताः चुनौतियां और संभावनाए, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
- कुमार गौतम नीरज (2013) आॅनलाइन समाज की चुनौतियां, योजना पत्रिका, पृष्ठ 44
- कुलश्रेष्ठ, एस.(2020). भारत में पिं्रट, इलेक्ट्राॅनिक और न्यू मीडिया, नई दिल्लीःप्रभात प्रकाशन
- कुमार सुरेश (2004) इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, पृष्ठ19
- नारायण, सुनेत्रा सेन और नारायणन, श. (2019) इंडिया कनेक्टेड. सेज प्रकाशन, नई दिल्ली
- कुमार केवल जे. (2017) भारत में जनसंचार, जयको प्रकाशन, मुम्बई
- नया मीडिया अध्ययन और अभ्यास, शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी - पेंगुइन प्रकाशन
- कुमार सुरेश , इंटरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,2009
- योजना, अंक मई (2013) शोध आलेख -डिजिटल स्पेस में विस्फोटन , लेखक पैट्रिक एस.एल.घोस, परंजय गुहा ठाकुरता
- योजना, अंक मई (2013) पत्रकारिता में सोशल मीडिया का योगदान , लेखक सुनील कुमार झा
- .गुप्ता विनीता (2015) संचार और मीडिया शोध नई दिल्ली, वाणी प्रकाशन।